**सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद)** : (क) मध्य प्रदेश के प्राधिकारियों ने कोरवा पश्चिमी तट ताप विद्युत केन्द्र स्कीम को शीघ्र स्वीकृति के लिये अनुरोध किया है ।

(ख) योजना आयोग की सिंचाई बाढ़ नियंत्रण और विद्युत परियोजनाओं पर सलाहकार समिति इस स्कीम को पहले स्वीकृति कर चुकी है ।

**खिड़कियां रेलवे स्टेशन (मध्य रेलवे) के प्लेटफार्म पर शड बनाना**

2207. **श्री गंगा चरण दीक्षित** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या खिड़कियां रेलवे स्टेशन (मध्य रेलवे) के एक प्लेटफार्म पर शेड बनाया गया है और इसके प्लेटफार्म पर भी शड बनाने की मांग की गई है ;

(ख) क्या सरकार दूसरे प्लेटफार्म पर भी क्षेत्र डालने पर विचार कर रही है ; और

(ग) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो क्यों ?

**रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी)** : (क) से (ग) . केवल अप प्लेटफार्म पर छत की मांग है क्योंकि डाउन प्लेटफार्म पर हाल ही में छत की व्यवस्था की जा चुकी है। इस समय खिड़कियां रेलवे स्टेशन से आने जाने वाले यात्रियों की संख्या किसी भी समय अधिक से अधिक 200 रहती है । यातायात की आवश्यकताएं पूरी करने के लिये, अप साइड में 41.8 वर्गमीटर (450 वर्गफुट) क्षेत्रफल वाले प्लेटफार्म पर और डाउन साइड में 209 वर्गमीटर (2250 वर्गफुट) क्षेत्रफल वाले प्लेटफार्म पर पहले से ही छत मौजद है जो पर्याप्त समझी जाती है ।

**मध्य प्रदेश के पूर्व निमाड़ जिले में गांवों का विद्युतीकरण**

2208. **श्री गंगा चरण दीक्षित** : क्या **सिंचाई और विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में पूर्व निमाड़ जिले के खकनार कला और सिविल खण्डों (ब्लाक्स) में जिन गांवों का अब तक विद्युतीकरण कर दिया गया है उनके नाम क्या हैं और चालू वित्तीय वर्ष में किन गांवों के विद्युतीकरण का प्रस्ताव है ; और

(ख) क्या सरकार डेढ़त भाई मन रोड पर पड़ने वाले गांवों का भी इस वर्ष विद्युतीकरण करने का प्रस्ताव है ; और

(ग) यदि हां, तो कब तक ?

**सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय में उपमंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद)** : (क) से (ग). मध्य प्रदेश में पूर्वी निमाड़ जिले के खकनार खण्ड में 22 गांवों का विद्युतीकरण किया जा चुका है । राज्य विद्युत बोर्ड का चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 12 गांवों को विद्युतीकृत करने का प्रस्ताव है इन गांवों का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है । खकनार-डेढ़त भाई मुख्य सड़क पर स्थित गांव भी इस में सम्मिलित कर लिये गये हैं ।

सेवल खकनार खण्ड में एक गांव है और एक अलग खण्ड नहीं है । इसका

इसका विद्युतीकरण पहले ही कर दिया गया है ।

**ब्यौरा**

| विद्युतिकृत गांव | चालू वित्तीय वर्ष के दौरान विद्युतीकृत किए जाने के लिए प्रस्तावित गांव |
|---|---|
| 1. चदली | 1. हसीनाबाद |
| 2. रातगढ़ | 2. दोयफोड़िया |
| 3. बोरसर | 3. सामखेड़ा |
| 4. वड़गांव | 4. खनलार खुर्द |
| 5. सरोला | 5. निमानधाड़ |
| 5. शिकारपुर | 6. मजरोद खुर्द |
| 7. सिंघखेरा | 7. टुकाडथाड़ |
| 8. हनुमथखेड़ा | 8. रायतलाए |
| 9. महलगुरारा | 9. वालानाथ |
| 10. गुलारी | 10. डाड तलाए |
| 11. सिरपुर | 11. खडनार कलां |
| 12. सिंघखेड़ा | 12. तेजानपुर |
| 13. निमामुर | |
| 14. हैदरपुर | |
| 15. रायगांव | |
| 16. सिवाल | |
| 17. हिरारा | |
| 18. पालसन | |
| 19. अन्धारवाड़ी | |
| 20. बड़ोखेड़ा | |
| 21. डलिया खेड़ा | |
| 22. भाट खेड़ा | |

**भुसावल डिवीजन (मध्य रेलवे) के स्विच-मैनों को औसत वेतन पर छुट्टी और आकस्मिक छुट्टी न देना**

2209. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1972 और 1973 में भुसावल डिवीजन में औसत वेतन पर छुट्टी लेने वाले और आकस्मिक छुट्टी लेने वाले स्विच-मैनों की संख्या कितनी है और दूसरों को छुट्टी न दिए जाने के क्या कारण हैं ; और

(ख) उन स्विचमैनों की संख्या कितनी है जिन्होंने बीमार होने की सूचना भेजी थी, वे कितने दिनों तक बीमार रहे और बीमारी के इतने अधिक मामले होने के क्या कारण हैं ?

**रेल मंत्रालय में उप मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी)** : (क) भुसावल मण्डल में 1972 और 1973 के वर्षों में क्रमश: 258 और 255 स्विचमैनों ने छुट्टी ली थी । ऐसा कोई मामला नहीं हुआ जिसमें छुट्टी मंजूर न की गई हो । फिर भी, ऐसे मामले हुए जब कि कठिन स्थिति के कारण कर्मचारियों को प्रतीक्षा करनी पड़ी थी ।

(ख) वर्ष 1972 में 172 स्विचमैनों ने सिक रिपोर्ट कर दिया जिसके कारण 5353 जन-दिनों की हानि हुई । 1973 में अभी तक 150 स्विटमैनों ने सिक रिपोर्ट किया है और 4241 जन-दिनों की हानि हुई है ।

अधिकांश मामलों में बीमारी का कारण सामान्य अस्वस्थता थी ।